लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं 17 कॉलम 5-6

कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ प्रो. वर्नर, डा. सुरेंद्र एस धनखड़ और डा. राज सिंह, व छात्रा सुश्री नव्रीत बस्सी। • जागरण

स्विट्जरलैंड में क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर रिसर्च करेगी छात्रा

जागरण संवाददाता, हिसार : मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) एवं शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (स्पार्क) के तहत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से पीएचडी की छात्रा नव्रीत बस्सी, ज्यूरिख आधारित स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच) स्विट्जरलैंड में 3 महीने के लिए क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करने के लिए जाएगी। स्विट्जरलैंड जाने से पहले, छात्रा ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह से अपने असाइनमेंट और सुरक्षित यात्रा में सफलता के लिए आशीर्वाद लिया।

इस संस्थान के साथ होगी रिसर्च : कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विवि ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी पीएचडी छात्रा स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिख में कृषि-मौसम संबंधी तकनीकों के माध्यम से क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करेगी।

स्विजरलैंड का एचएयू के वैज्ञानिकों ने किया था दौरा

हाल ही में एचएयू से डा. सुरेंद्र एस धनखड़ और डा. राज सिंह ने स्विट्जरलैंड का दौरा किया था। उन्होंने स्विटजरलैंड के फ्राइबर्ग में 17वीं स्विस जियोसाइंस बैठक में भाग लेकर एक खुले विज्ञान सत्र में अपनी संबंधित शोध वार्ता प्रस्तुत किये थे। वर्तमान में स्पार्क एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत हकृवि पर जाने वाले प्रो. वर्नर यूगस्टर ने स्पार्क अनुसंधान सहयोगियों, अन्य संकायों और छात्रों के साथ बातचीत की है और प्रयोगात्मक कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र विज्ञान पर विशेष व्याख्यान दिए हैं और हरियाणा और हकृवि में विभिन्न फसल प्रणालियों के लिए प्रासंगिक डेटा का वैज्ञानिक विश्लेषण किया है जिसमें कार्बन डाईआक्साइड व मीथेन उत्सर्जन के लिए कम लागत वाले फ्लक्स चेंबर को प्रदर्शित करना है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 5-8

एचएयू की पीएचडी स्कॉलर छात्रा क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करने के लिए स्विट्जरलैंड जाएंगी

इन्डो स्विस सहयोगी परियोजना में शैक्षणिक गतिविधियों में करेंगी पार्टीसिपेट

भास्कर न्यूज | हिसार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (स्पार्क) के तहत एचएयू से पीएचडी की छात्रा नव्रीत बस्सी, ज्यूरिख आधारित स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच) स्विट्जरलैंड में 3 महीने के लिए क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करने के लिए जाएंगी। स्विट्जरलैंड जाने से पहले छात्रा एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मिलीं और आशीर्वाद लिया। एचएयू परिसर में स्विटजरलैंड से पहुंचे प्रो. वर्नर यूगर का स्वागत करते हुए प्रो. केपी सिंह ने बताया एचएयू ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए दुनियाभर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है। आपसी शैक्षणिक हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पीएचडी छात्रा स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच), ज्यूरिख में कृषि-मौसम संबंधी तकनीकों के माध्यम से क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करेगी। वह इन्डो स्विस सहयोगी परियोजना में शैक्षणिक गतिविधियों, अपने पीएचडी शोध कार्य की प्रस्तुतियों और स्विट्जरलैंड में विद्वानों, शोधकर्ताओं और संकाय के साथ बातचीत में हिस्सा लेंगी। हाल ही में डॉ. सुरेंद्र एस धनखड़ और डॉ. राज सिंह, ने स्विट्जरलैंड का दौरा किया और स्विटजरलैंड के फ्राइबर्ग में 17वीं स्विस जियोसाइंस बैठक में हिस्सा लिया था। जहां उन्होंने एक खुले विज्ञान सत्र में अपनी संबंधित शोध वार्ता प्रस्तुत की। प्रो. वर्नर यूगस्टर ने स्पार्क अनुसंधान सहयोगियों, अन्य संकायों और छात्रों के साथ बातचीत की है और प्रयोगात्मक कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र विज्ञान पर विशेष व्याख्यान दिए हैं और हरियाणा और एचएयू में विभिन्न फसल प्रणालियों के लिए प्रासंगिक डेटा का वैज्ञानिक विश्लेषण किया है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ प्रो. वर्नर, डॉ. सुरेंद्र एस धनखड़ और डॉ. राज.सिंह, व छात्रा नव्रीत बस्सी।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 7-8

ह.कृ.वि. की पीएच.डी. छात्रा स्विट्जरलैंड में क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करने जाएगी

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ प्रो. वर्नर, डा. सुरेंद्र एस. धनखड़ और डा. राज सिंह, व छात्रा नव्रीत बस्सी।

हिसार, 26 फरवरी (ब्यूरो): मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.), भारत सरकार एवं शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (स्पार्क) के तहत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की छात्रा नव्रीत बस्सी, ज्यूरिख आधारित स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी (ई.टी.एच.) स्विट्जरलैंड में 3 महीने के लिए क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करने के लिए जाएंगी। स्विट्जरलैंड जाने से पहले, छात्रा ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह से अपने असाइनमेंट और सुरक्षित यात्रा में सफलता के लिए आशीर्वाद लिया। विश्वविद्यालय परिसर में प्रो. वर्नर यूगर का स्वागत करते हुए, प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है। पीएच.डी. छात्रा इन्डो स्विस सहयोगी परियोजना में शैक्षणिक गतिविधियों, अपने पीएच.डी. शोध कार्य की प्रस्तुतियों और स्विट्जरलैंड में विद्वानों, शोधकर्त्ताओं और संकाय के साथ बातचीत में भाग लेंगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-4

एचएयू की पीएचडी छात्रा क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर स्विट्जरलैंड में करेगी शोध

हिसार। मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार एवं शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (स्पार्क) के तहत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से पीएचडी की छात्रा नव्रीत बस्सी स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच) ज्यूरिख स्विट्जरलैंड में तीन महीने के लिए क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करने के लिए जाएंगी। स्विट्जरलैंड जाने से पहले, छात्रा ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह से अपने असाइनमेंट और सुरक्षित यात्रा के लिए आशीर्वाद लिया। विश्वविद्यालय परिसर में प्रो. वर्नर यूगर का स्वागत करते हुए प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी पीएचडी छात्रा स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच), ज्यूरिख में कृषि-मौसम संबंधी तकनीकों के माध्यम से क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करेगी। वह इंडो स्विस सहयोगी परियोजना में शैक्षणिक गतिविधियों, अपने पीएचडी शोध कार्य की प्रस्तुतियों और स्विट्जरलैंड में विद्वानों, शोधकर्ताओं और संकाय के साथ बातचीत में भाग लेंगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक ट्रिब्यून........
दिनांक..27. 2. 2020.... पृष्ठ सं.....4........ कॉलम.....5.......

स्विट्जरलैंड जाएगी हकृवि की शोध छात्रा

हिसार, 26 फरवरी (निस)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) भारत सरकार एवं शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (स्पार्क) के तहत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से पीएचडी की छात्रा ज्यूरिख आधारित स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच) स्विट्जरलैंड में 3 महीने के लिए क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करने के लिए जाएंगी। स्विट्जरलैंड जाने से पहले, छात्रा नव्रीत बस्सी ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह से अपने असाइनमेंट और सुरक्षित यात्रा में सफलता के लिए आशीर्वाद लिया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक 26.2.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 4-8

हकृवि की नव्रीत क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग के लिए जाएंगी ज्यूरिख

हिसार/26 फरवरी/रिपोर्टर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार एवं शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (स्पार्क) के तहत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से पीएचडी की छात्रा नव्रीत बस्सी, ज्यूरिख आधारित स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच) स्विट्जरलैंड में 3 महीने के लिए क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करने के लिए जाएंगी। स्विट्जरलैंड जाने से पहले, छात्रा ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह से अपने असाइनमेंट सफलता के लिए आशीर्वाद लिया। विश्वविद्यालय परिसर में प्रो. वर्नर यूगर का स्वागत करते हुए, प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है। हम आपसी शैक्षणिक हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पीएचडी छात्रा स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच), ज्यूरिख में कृषि-मौसम संबंधी तकनीकों के माध्यम से क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करेगी। वह ईन्डों स्विस सहयोगी परियोजना में शैक्षणिक गतिविधियों, अपने पीएचडी शोध कार्य की प्रस्तुतियों और स्विट्जरलैंड में विद्वानों, शोधकर्ताओं और संकाय के साथ बातचीत में भाग लेंगी। हाल ही में डॉ. सुरेंद्र एस धनखड़ और डॉ. राज सिंह, ने स्विट्जरलैंड का दौरा किया और स्विटजरलैंड के फ्राइबर्ग में 17वीं स्विस जियोसाइंस बैठक में भाग लिया, जहां उन्होंने एक खुले विज्ञान सत्र में अपनी संबंधित शोध वार्ता प्रस्तुत की। स्पार्क परियोजना के तहत ईटीएच, ज्यूरिख का दौरा करते हुए, उन्होंने प्रयोग स्थलों का भी दौरा किया, उनके पास जलवायु-स्मार्ट भूमि प्रबंधन अवधारणाओं की प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रमुख जलवायु-प्रासंगिक ग्रीनहाउस गैसेस अर्थात, कार्बनडाईआक्साइड और मीथेन फ्लक्स की सही माप के साथ जलवायु लचीला खेती के लिए प्रासंगिक थे। वर्तमान में, स्पार्क एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत हकृवि पर जाने वाले प्रो. वर्नर यूगस्टर ने स्पार्क अनुसंधान सहयोगियों, अन्य संकायों और छात्रों के साथ बातचीत की है और प्रयोगात्मक कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र विज्ञान पर विशेष व्याख्यान दिए हैं और हरियाणा और हकृवि में विभिन्न फसल प्रणालियों के लिए प्रासंगिक डेटा का वैज्ञानिक विश्लेषण किया है जिसमें कार्बनडाईआक्साइड और मीथेन उत्सर्जन के लिए कम लागत वाले फ्लक्स चेंबर (एलसीएफसी) को प्रदर्शित करना है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.......सिटी पल्स.......
दिनांक...26.2.2020... पृष्ठ सं....3.... कॉलम....2-6....

हकृवि की एक और पीएचडी छात्रा स्विट्जरलैंड में क्लाइमेट स्मार्ट फ़ार्मिंग पर काम करने जाएगी

हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ प्रो. वर्नर, डॉ. सुरेंद्र एस धनखड़ और डॉ. राज सिंह, व छात्रा नव्रीत बस्सी।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार एवं शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (स्पार्क) के तहत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से पीएचडी की छात्रा नव्रीत बस्सी, ज्यूरिख आधारित स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच) स्विट्जरलैंड में 3 महीने के लिए क्लाइमेट स्मार्ट फ़ार्मिंग पर काम करने के लिए जाएंगी। स्विट्जरलैंड जाने से पहले, छात्रा ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह से अपने असाइनमेंट और सुरक्षित यात्रा में सफलता के लिए आशीर्वाद लिया।

विश्वविद्यालय परिसर में प्रो. वर्नर यूगर का स्वागत करते हुए, प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की हुई है। हम आपसी शैक्षणिक हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पीएचडी छात्रा स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईटीएच), ज्यूरिख में कृषि-मौसम संबंधी तकनीकों के माध्यम से क्लाइमेट स्मार्ट फार्मिंग पर काम करेगी। वह ईन्डो स्विस सहयोगी परियोजना में शैक्षणिक गतिविधियों, अपने पीएचडी शोध कार्य की प्रस्तुतियों और स्विट्जरलैंड में विद्वानों, शोधकर्ताओं और संकाय के साथ बातचीत में भाग लेंगी।

हाल ही में, डॉ. सुरेंद्र एस धनखड़ और डॉ. राज सिंह, ने स्विट्जरलैंड का दौरा किया और स्विटजरलैंड के फ्राइबर्ग में 17वीं स्विस जियोसाइंस बैठक में भाग लिया, जहां उन्होंने एक खुले विज्ञान सत्र में अपनी संबंधित शोध वार्ता प्रस्तुत की। स्पार्क परियोजना के तहत ईटीएच, ज्यूरिख का दौरा करते हुए, उन्होंने प्रयोग स्थलों का भी दौरा किया, उनके पास जलवायु-स्मार्ट भूमि प्रबंधन अवधारणाओं की प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रमुख जलवायु-प्रासंगिक ग्रीनहाउस गैसेस अर्थात, कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन फ्लक्स की सही माप के साथ जलवायु लचीला खेती के लिए प्रासंगिक थे। ।

वर्तमान में, स्पार्क एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत हकृवि पर जाने वाले प्रो. वर्नर यूगस्टर ने स्पार्क अनुसंधान सहयोगियों, अन्य संकायों और छात्रों के साथ बातचीत की है और प्रयोगात्मक कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र विज्ञान पर विशेष व्याख्यान दिए हैं और हरियाणा और हकृवि में विभिन्न फसल प्रणालियों के लिए प्रासंगिक डेटा का वैज्ञानिक विश्लेषण किया है जिसमें कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन उत्सर्जन के लिए कम लागत वाले फ्लक्स चैंबर (एलसीएफसी) को प्रदर्शित करना है। प्रो. वर्नर ने कुलपति प्रो के.पी. सिंह का धन्यवाद किया तथा परिसर में अविश्वसनीय आतिथ्य के लिए और उन्हें उनकी वैज्ञानिक दृष्टि व विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर पहुचाने के लिए बधाई दी। प्रो. वर्नर ने भी संघीय स्तर पर पारस्परिक शैक्षणिक हित के व्यापक डोमेन में दीर्घकालिक सहयोग के लिए हकृवि के साथ काम करने का आश्वासन दिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-6

बागपत के किसानों ने एचएयू में ली जैविक व उन्नतशील खेती की जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

किसानों ने लाडवा गोशाला पहुंच कर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के बारे में भी जाना

हिसार। उत्तर प्रदेश के बागपत के किसानों ने तीन दिवसीय कृषि भ्रमण के दूसरे दिन बुधवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में जैविक व उन्नतशील खेती की जानकारी ली। चौगामा किसान क्लब के अध्यक्ष मास्टर देवेंद्र सिंह राणा ने बताया कि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के तत्वावधान में बागपत के किसानों का 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय कृषि भ्रमण के लिए करनाल व हिसार कृषि विश्वविद्यालय में आया हुआ है। दल का यह भ्रमण कार्यक्रम आयुर्वेद रिसर्च फाउंडेशन सोनीपत के सहयोग से आयोजित किया गया है। देवेंद्र राणा ने बताया कि इस दौरान प्रगतिशील किसानों का दल गेहूं, गन्ना व पशुपालन पर आधुनिक प्रणाली के तहत अध्ययन कर कम लागत पर उत्पादन बढ़ाने पर जोर देगा। बुधवार को विश्वविद्यालय के डॉ. सुरेंद्र सिंह व डॉ. मंजू दहिया ने किसानों को जैविक खेती, उन्नतशील बागवानी व खेती पर विस्तार से जानकारी दी। ऑर्गेनिक खेती के अंतर्गत डॉ. मुकेश ने अमरूद, गेहूं, गाजर, मटर, प्याज, सरसों की फसलों के साथ-साथ स्प्रिंकलर की आधुनिक पद्धति के बारे में बताया।

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात करते बागपत के किसान।

इससे पूर्व क्लब अध्यक्ष देवेंद्र राणा के नेतृत्व में सभी किसानों ने कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ भी मुलाकात की। किसानों ने कुलपति को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। कुलपति केपी सिंह ने किसानों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वे कृषि क्षेत्र में कुछ भी नया करने के लिए उनको हरसंभव मदद देने को तैयार रहेंगे। इसके बाद किसानों ने लाडवा गोशाला पहुंच कर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति की भी जानकारी ली। किसानों के प्रतिनिधिमंडल में विश्व बंधु शास्त्री, यशवीर राणा, सुधीर तोमर, कंवरपाल राणा, प्रेम सिंह राणा, उमेश राणा, रामगोपाल आर्य, ऋषिपाल राणा, अमरपाल राणा, देशवीर नैन, राकेश शर्मा, मनोज मलिक आदि शामिल रहे। भ्रमण कार्यक्रम में प्रोजेक्ट मैनेजर जैनेंद्र गुप्ता, अब्दुल कादिर एवं रविंद्र कुंडू का भी योगदान रहा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 1-3

जैविक और उन्नतशील खेती के तौर तरीके जानने बागपत के किसान पहुंचे एचएयू

यूपी से 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय कृषि भ्रमण के लिए आया

एचएयू में भ्रमण के दौरान कुलपति डॉ. केपी सिंह से मुलाकात करते यूपी के बागपत के किसान।

भास्कर न्यूज | हिसार

उत्तर प्रदेश के बागपत के किसानों ने बुधवार को तीन दिवसीय कृषि भ्रमण के दूसरे दिन एचएयू में भ्रमण के दौरान जैविक व उन्नतशील खेती की जानकारी ली। दरअसल, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के तत्वावधान में बागपत के किसानों का एक 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय कृषि भ्रमण के लिए हरियाणा के करनाल व हिसार एचएयू आया हुआ है।

चौगामा किसान क्लब के अध्यक्ष मास्टर देवेन्द्र सिंह राणा ने बताया कि भ्रमण कार्यक्रम एनडीआरआई करनाल व कृषि यूनिवर्सिटी हिसार के लिए चौगामा किसान क्लब दाहना एवं क्षेत्र के अन्य ग्रामों से 25 प्रगतिशील किसानों के दल को आयुर्वेद रिसर्च फाउंडेशन सोनीपत हरियाणा के सहयोग से आयोजित किया गया है।

किसान क्लब अध्यक्ष देवेंद्र राणा ने बताया कि इस दौरान प्रगतिशील किसानों का दल गेहूं गन्ना व पशुपालन पर आधुनिक प्रणाली के तहत अध्ययन कर कम लागत पर उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान करेगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन बुधवार को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र सिंह डॉ. मंजू दहिया ने किसानों को जैविक खेती व उन्नत शील बागवानी व खेती पर जानकारी दी। ऑर्गेनिक खेती के अंतर्गत डॉ. मुकेश ने अमरूद, गेहूं, गाजर, मटर, प्याज, सरसों की फसलों के साथ-साथ स्प्रिंकलर की आधुनिक पद्धति की जानकारी दी। सभी किसानों ने इसमें अपनी रुचि दिखाई। इससे पूर्व क्लब अध्यक्ष देवेंद्र राणा के नेतृत्व में सभी किसानों की ओर से एचएयू के कुलपति डॉ. केपी सिंह को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. केपी सिंह ने किसानों के प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि वे कृषि क्षेत्र में कुछ भी नया करने के लिए उनको हर सम्भव मदद करने को तैयार रहेंगे। इसके बाद किसानों ने लाडवा गौशाला पहुंच कर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति की भी जानकारी ली। किसानों के प्रतिनिधि मंडल विश्व बंधु शास्त्री, यशवीर राणा, सुधीर तोमर, कंवरपाल राणा, प्रेम सिंह राणा, उमेश राणा रामख, युवा शक्ति किसान क्लब के राजेंद्र, विकास, प्रवीण और गुड्डू शामिल रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......हरि भूमि......
दिनांक...27.2.2020...... पृष्ठ सं......14...... कॉलम......4-7......

यूपी के किसानों ने जानी खेती की बारीकियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

- हकृवि में भ्रमण करने पहुंचे यूपी के बागपत के 25 सदस्यों का प्रतिनिधमंडल

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भ्रमण कर उत्तर प्रदेश के बागपत से आए किसानों ने दूसरे दिन भी कृषि से संबंधित कई बारीकियां जानी। बुधवार को किसानों ने जैविक व उन्नतशील खेती की जानकारी ली।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक की ओर से बागपत के किसानों का एक 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय कृषि भ्रमण के लिए हरियाणा के करनाल व हिसार कृषि विश्वविद्यालय आया हुआ है। चौगामा किसान क्लब के अध्यक्ष मास्टर देवेन्द्र सिंह राणा ने बताया कि भ्रमण कार्यक्रम एनडीआरआई करनाल व कृषि यूनिवर्सिटी हिसार के लिए चौगामा किसान क्लब दाहा एवं क्षेत्र के अन्य ग्रामों से 25 प्रगतिशील किसानों के दल को आयुर्वेट रिसर्च फाउंडेशन सोनीपत हरियाणा के सहयोग से आयोजित किया गया है।

किसान क्लब अध्यक्ष देवेंद्र राणा ने बताया कि इस दौरान प्रगतिशील किसानों का दल गेहूं गन्ना व पशुपालन पर आधुनिक प्रणाली के तहत अध्ययन कर कम लागत पर उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान करेगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन बुधवार को विश्वविद्यालय के डॉक्टर सुरेंद्र सिंह डॉ मंजू दहिया ने किसानों को जैविक खेती व उन्नतशील बागबानी व खेती पर जानकारी दी।

ऑर्गेनिक खेती के अंतर्गत डॉ मुकेश ने अमरूद, गेहूं, गाजर, मटर, प्याज, सरसों की फसलों के साथ स्प्रिंकलर की आधुनिक पद्धति के बारे में जानकारी दी। सभी किसानों ने इसमें अपनी रुचि दिखाई। इससे पूर्व क्लब अध्यक्ष देवेंद्र राणा के नेतृत्व में सभी किसानों की ओर से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ केपी सिंह को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपकुलपति डॉ केपी सिंह ने किसानों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वे कृषि क्षेत्र में कुछ भी नया करने के लिए उनको हर सम्भव मदद करने को तैयार रहेंगे। किसानों के प्रतिनिधिमंडल विश्व बंधु शास्त्री, यशवीर राणा, सुधीर तोमर, कंवरपाल राणा, प्रेम सिंह राणा, उमेश राणा, रामगोपाल आर्य, ऋषिपाल राणा, अमरपाल राणा, देशवीर नैन, राकेश शर्मा, मनोज मलिक समेत दो दर्जन से अधिक प्रगतिशील किसान शामिल रहे। भ्रमण कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में प्रोजेक्ट मैनेजर जैनेन्द्र गुप्ता, अब्दुल कादिर एवं रविन्द्र कुंडू का सहयोग रहा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-5

फसलों में लगने वाले रोगों के उपचार के लिए छोटी व सस्ती उपकरण बनाएं विद्यार्थी : डॉ. यूजस्टर वर्नर

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय में प्लांट फिजियोलॉजी विभाग की ओर से प्लांट जीनोमिक्स-2020 पर दस दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि पर्यावरण विज्ञान विभाग, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड के डॉ. यूजस्टर वर्नर थे। उन्होंने कहा कि छात्रों को छोटी और सस्ती तकनीकों को इस्तेमाल करके ऐसे नए उपकरण बनाने चाहिए जो कि किसान अपनी कृषि में आने वाले रोगों और बीमारियों के बारे में जान सकें और उनके उपायों का समाधान कर सकें। फसल की समग्र अभिव्यक्ति में सूक्ष्म जलवायु की भूमिका को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. वर्नर, डॉ. केडी शर्मा, डॉ. श्रीदेवी, डॉ. हमिरा सोनह और डॉ. रूपेश देशमुख द्वारा जीबीएस, जीडब्ल्यूएएस और जीनोमिक चयन पर प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन किया गया। निदेशक, आरडीएस, डॉ. केडी शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वह सिलिको विश्लेषण के बारे में जानकर जिसका उपयोग अजैविक तनाव सहिष्णुता के लिए महत्वपूर्ण लक्षणों को जानने के लिए किया जा सकता है और भविष्य में अधिक सहयोग की उम्मीद की जा सकती है। यह दस दिवसीय कार्यशाला, स्पार्क प्रोजेक्ट 'एडवांसिंग जीनोटाइपिंग ऑन सीक्वेंसिंग, जीनोम-वाइड एसोसिएशन स्टडी, और जीनोमिक सलेक्शन फॉर द कॉम्प्लेक्स ट्रिट फॉर स्ट्रेस-टॉलरेंस एंड यील्ड इन सोयाबीन' के अंतर्गत किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन कनाडा के क्यूबेक के लावल विश्वविद्यालय के डॉ. एसएम शिवराज की देखरेख में किया जा रहा है। कार्यशाला में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से कुल 32 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि व अन्य। - अमर उजाला

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्लांट जीनोमिक्स-2020 पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं 17 कॉलम 4-6

छोटी और सस्ती तकनीकों को प्रयोग कर बनाएं कृषि उपकरण : डा. वर्नर

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय(एचएयू) के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय में प्लांट फिजियोलॉजी विभाग द्वारा प्लांट जीनोमिक्स - 2020 पर दस दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि पर्यावरण विज्ञान विभाग, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड के डा. यूजस्टर वर्नर रहे। उन्होंने कहा कि छात्रों को छोटी और सस्ती तकनीकों को इस्तेमाल करके ऐसे नए उपकरण बनाने चाहिए जो कि किसान अपनी कृषि में आने वाले रोगों और बीमारियों के बारे में जान सकें और उनके उपायों का समाधान कर सकें।

प्रशिक्षण पुस्तिका का किया विमोचन : कार्यक्रम के दौरान, डा. वर्नर, डा. केडी शर्मा, डा. श्रीदेवी, डा. हमिरा सोनह और डा. रूपेश देशमुख द्वारा जीबीएस, जीडब्ल्यूएएस और जीनोमिक चयन पर प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन किया गया। निदेशक, आरडीएस, डा. केडी शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया वह सिलिको विश्लेषण के बारे में जानकर जिसका उपयोग अजैविक तनाव सहिष्णुता के लिए लक्षणों को जानने के लिए किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय में पुस्तिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि व अन्य। • विज्ञप्ति

स्पार्क प्रोजेक्ट के तहत हो रही है कार्यशाला

यह दस दिवसीय कार्यशाला, स्पार्क प्रोजेक्ट एडवांसिंग जीनोटाइपिंग ऑन सीक्वेंसिंग, जीनोम-वाइड एसोसिएशन स्टडी, और जीनोमिक सलेक्शन फॉर द कॉम्प्लेक्स ट्रिट फॉर स्ट्रेस-टॉलरेंस एंड यील्ड इन सोयाबीन के तहत किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन कनाडा के क्यूबेक के लावल विश्वविद्यालय के डॉ. एसएम शिवराज की देखरेख में किया जा रहा है। कार्यशाला में 32 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। फिजियोलॉजी विभाग के वैज्ञानिक व कार्यशाला के संयोजक डॉ. विनोद गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 5.8

छात्रों को छोटी और सस्ती तकनीकों का इस्तेमाल करके नए उपकरण बनाने चाहिए : डॉ. यूजस्टर वर्नर

एचएयू में प्लांट जीनोमिक्स पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का किया शुभारंभ, पुस्तक का किया विमोचन

भास्कर न्यूज | हिसार.

एचएयू के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय में प्लांट फिजियोलॉजी विभाग ने प्लांट जीनोमिक्स - 2020 पर दस दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में छात्रों को नए उपकरण बनाने के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि पर्यावरण विज्ञान विभाग, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड के डॉ. यूजस्टर वर्नर रहे। उन्होंने संबोधन में कहा कि छात्रों को छोटी और सस्ती तकनीकों को इस्तेमाल करके ऐसे नये उपकरण बनाने चाहिए जोकि किसान अपनी खेती में आने वाले रोगों के बारे में जान सकें और उनके उपायों का समाधान कर सकें। उन्होंने फसल की समग्र अभिव्यक्ति में सूक्ष्म जलवायु की भूमिका को समझाया। इस कार्यक्रम के दौरान, डॉ. वर्नर, डॉ. केडी शर्मा, डॉ. श्रीदेवी, डॉ. हमिरा सोनह और डॉ. रूपेश देशमुख द्वारा जीबीएस, जीडब्ल्यूएएस और जीनोमिक चयन पर प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन किया गया। निदेशक, आरडीएस डॉ. केडी शर्मा भी विचार रखे।

एचएयू में पुस्तिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि व अन्य।

दस दिवसीय कार्यशाला स्पार्क प्रोजेक्ट 'एडवांसिंग जीनोटाइपिंग ऑन सीक्वेंसिंग, जीनोम-वाइड एसोसिएशन स्टडी और जीनोमिक सलेक्शन फॉर द कॉम्प्लेक्स ट्रिट फॉर स्ट्रेस-टॉलरेंस एंड यील्ड इन सोयाबीन' के अन्तर्गत की जा रही है। जो कनाडा के क्यूबेक के लावल विश्वविद्यालय के डॉ. एस एम शिवराज की देखरेख में किया जा रहा है। कार्यशाला में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से कुल 32 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यशाला के संयोजक डॉ. विनोद गोयल मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरि भूमि
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 4-6

छोटी और सस्ती तकनीकों का इस्तेमाल करके नए उपकरण बनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏩ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय में प्लांट फिजियोलॉजी विभाग द्वारा प्लांट जीनोमिक्स - 2020 पर दस दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि पर्यावरण विज्ञान विभाग, ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड के डॉ. यूजस्टर वर्नर थे।

उन्होंने कहा कि छात्रों को छोटी और सस्ती तकनीकों को इस्तेमाल करके ऐसे नए उपकरण बनाने चाहिए जो कि किसान अपनी कृषि में आने वाले रोगों और बीमारियों के बारे में जान सकें और उनके उपायों का समाधान कर सकें। उन्होंने फसल की समग्र अभिव्यक्ति में सूक्ष्म जलवायु की भूमिका को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. वर्नर, डॉ. केडी शर्मा, डॉ. श्रीदेवी, डॉ. हमिरा सोनह और डॉ. रूपेश देशमुख द्वारा जीबीएस, जीडब्ल्यूएएस और जीनोमिक चयन पर प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन किया गया। निदेशक, आरडीएस, डॉ. केडी शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वह सिलिको विश्लेषण के बारे में जानकर जिसका उपयोग अजैविक तनाव सहिष्णुता के लिए महत्वपूर्ण लक्षणों को जानने के लिए किया जा सकता है और भविष्य में अधिक सहयोग की उम्मीद की जा सकती है।

यह दस दिवसीय कार्यशाला, स्पार्क प्रोजेक्ट एडवांसिंग जीनोटाइपिंग ऑन सीक्वेंसिंग, जीनोम-वाइड एसोसिएशन स्टडी, और जीनोमिक सलेक्शन फॉर द कॉम्प्लेक्स ट्रिट फॉर स्ट्रेस-टॉलरेंस एंड यील्ड इन सोयाबीन के अन्तर्गत किया जा रहा है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-2

एचएयू में मार्गदर्शन विषय पर विशेष सत्र आयोजित

परम्परागत शिक्षा पद्धति से हटकर विदेश में उपलब्ध उच्च शिक्षा बारे में जानकारी दी

एचएयू में आयोजित विशेष सत्र में डॉ. एसके सहरावत व अन्य डॉ. रतन सिंह यादव को सम्मानित करते हुए।

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा पोषित आईडीपी (एनएएचईपी-आईडीपी) परियोजना के तहत कृषि स्नातकों को विदेश में उच्चतर शिक्षा ग्रहण करने के अवसर एवं मार्गदर्शन विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इसमें परम्परागत शिक्षा पद्धति से हटकर विदेश में उपलब्ध उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि भारत सरकार व अन्य स्त्रोतों से उपलब्ध विभिन्न छात्रवृत्ति का समुचित लाभ उठाना चाहिए। विश्वविद्यालय भी अपने स्तर पर छात्रों एवं शिक्षकों को उच्च शिक्षा एवं प्रशिक्षण हेतु समय-समय पर विदेशों की अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में भेज रहा है। कार्यक्रम के शुरुआत में विभागाध्यक्ष डॉ. एके छाबड़ा ने एचएयू के विद्यार्थियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान में योगदान पर प्रकाश डाला। मंच संचालन सहायक वैज्ञानिक बाजरा अनुभाग डॉ. देवव्रत ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, एबटस्टविथ विश्वविद्यालय ग्रेट ब्रिटेन के डॉ. रतन सिंह यादव रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने की। डॉ. रतन सिंह यादव ने विद्यार्थियों को विदेशों विशेषतया ब्रिटेन में उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। इस अवसर पर एसोसिएट डीन, डॉ. आरके गोदारा एवं बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहूजा उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं 15 कॉलम 5-6

उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को एचएयू में एक्सपर्ट ने दी जानकारी

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा पोषित आइडीपी (एनएएचईपी-आइडीपी) परियोजना के तहत कृषि स्नातकों को विदेशों में उच्चतर शिक्षा ग्रहण करने के अवसर एवं मार्गदर्शन विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, एबटस्टविथ विश्वविद्यालय, ग्रेट ब्रिटेन के डॉ. रतन सिंह यादव रहे। तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत ने की।

डॉ. रतन सिंह यादव ने विद्यार्थियों को विदेशों विशेषतया ब्रिटेन में उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी दी।

डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि परम्परागत शिक्षा पद्धति से हटकर विदेशों में उपलब्ध उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में उन्हें जागरूक रहने की जरूरत है कार्यक्रम के शुरूआत में विभागाध्यक्ष डॉ. एके छाबड़ा ने सभी उपस्थित छात्रों एवं शिक्षकों का स्वागत किया। मंच संचालन सहायक वैज्ञानिक, बाजरा अनुभाग, डॉ. देवव्रत, ने किया जोकि डॉ. रतन यादव के साथ इंडिया-डूयओ परियोजना का संचालन कर रहे हैं। इस अवसर पर एसोसिएट डीन, डॉ. आरके गोदारा एवं बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहूजा उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक ट्रिब्यून....
दिनांक....22.2.2020.... पृष्ठ सं....4.... कॉलम....5-6....

विदेशों में उच्चतर शिक्षा मार्गदर्शन पर विशेष सत्र

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा पोषित आईडीपी (एनएएचईपी-आईडीपी) परियोजना के तहत कृषि स्नातकों को विदेशों में उच्चतर शिक्षा ग्रहण करने के अवसर एवं मार्गदर्शन विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, एबटस्टविथ विश्वविद्यालय, ग्रेट ब्रिटेन के डॉ. रतन सिंह यादव थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत ने की। डॉ. रतन सिंह यादव ने विद्यार्थियों को विदेशों, विशेषतया ब्रिटेन में उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। डॉ. एसके सहरावत ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि परम्परागत शिक्षा पद्धति से हटकर विदेशों में उपलब्ध उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में उन्हें जागरूक रहने की जरूरत है व सलाह दी की भारत सरकार व अन्य स्रोतों से उपलब्ध विभिन्न छात्रवृत्तियों का समुचित लाभ उठाएं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........
दिनांक 26-2-2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 4-6

कृषि स्नातकों को विदेशों में उच्चतर शिक्षा के लिए दिया मार्गदर्शन

हिसार/26 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा पोषित आईडीपी (एनएएचईपी-आईडीपी) परियोजना के तहत कृषि स्नातकों को विदेशों में उच्चतर शिक्षा ग्रहण करने के अवसर एवं मार्गदर्शन विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, एबटस्टविथ विश्वविद्यालय, ग्रेट ब्रिटेन के डॉ. रतन सिंह यादव थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत ने की। डॉ. रतन सिंह यादव ने विद्यार्थियों को विदेशों विशेषतया ब्रिटेन में उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। डॉ. एसके सहरावत ने छात्रों को कहा कि परम्परागत शिक्षा पद्धति से हटकर विदेशों में उपलब्ध उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में उन्हें जागरूक रहने की जरूरत है व सलाह दी की भारत सरकार व अन्य स्रोतों से उपलब्ध विभिन्न छात्रवृतियों का समुचित लाभ उठाएं। विश्वविद्यालय भी अपने स्तर पर छात्रों एवं शिक्षकों को उच्च शिक्षा एवं प्रशिक्षण हेतु समय-समय पर विदेशों की अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में भेज रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ. एके छाबड़ा ने छात्रों एवं शिक्षकों का स्वागत किया और एचएयू के विद्यार्थियों का अन्तराष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान में योगदान पर प्रकाश डाला। मंच संचालन सहायक वैज्ञानिक, बाजरा अनुभाग, डॉ. देवव्रत, ने किया जोकि डॉ. रतन यादव के साथ इंडिया-डूयओ परियोजना का संचालन कर रहे हैं। इस अवसर पर एसोसिएट डीन, डॉ. आरके गोदारा एवं बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहूजा उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........
दिनांक....26.2.2020.... पृष्ठ सं.....3..... कॉलम.....3-8....

एचएयू में कृषि स्नातकों को विदेशों में उच्चतर शिक्षा के अवसर एवं मार्गदर्शन विषय पर विशेष सत्र आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा पोषित आईडीपी (एनएएचईपी-आईडीपी) परियोजना के तहत कृषि स्नातकों को विदेशों में उच्चतर शिक्षा ग्रहण करने के अवसर एवं मार्गदर्शन विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, एबटस्टविथ विश्वविद्यालय, ग्रेट ब्रिटेन के डॉ. रतन सिंह यादव थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत ने की। डॉ. रतन सिंह यादव ने विद्यार्थियों को विदेशों विशेषतया ब्रिटेन में उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी दी।

हिसार। डॉ. एसके सहरावत व अन्य डॉ. रतन सिंह यादव को सम्मानित करते हुए।

डॉ. एसके सहरावत ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि परम्परागत शिक्षा पद्धति से हटकर विदेशों में उपलब्ध उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में उन्हें जागरूक रहने की जरूरत है व सलाह दी की भारत सरकार व अन्य स्रोतों से उपलब्ध विभिन्न छात्रवृतियों का समुचित लाभ उठाएं। विश्वविद्यालय भी अपने स्तर पर छात्रों एवं शिक्षकों को उच्च शिक्षा एवं प्रशिक्षण हेतु समय-समय पर विदेशों की अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में भेज रहा है।

कार्यक्रम के शुरूआत में विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा ने सभी उपस्थित छात्रों एवं शिक्षकों का स्वागत किया और एचएयू के विद्यार्थियों का अन्तराष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान में योगदान पर प्रकाश डाला। मंच संचालन सहायक वैज्ञानिक, बाजरा अनुभाग, डॉ. देवव्रत, ने किया जोकि डॉ. रतन यादव के साथ इंडिया-यूओ परियोजना का संचालन कर रहे हैं। इस अवसर पर एसोसिएट डीन, डॉ. आरके गोदारा एवं बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहूजा उपस्थित रहे।